विराट कोहली का पब फिर मुश्किल में घिरा BBMP ने जारी किया नोटिस

बंगलूरू, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली का बार नई मुश्किलों में घिर गया है। बंगलूरू में चिन्नास्वामी स्टेडियम के पास स्थित वन 8 कम्यून पब एवं रेस्तरां को बृहत बंगलूरू महानगर पालिका (बीबीएमपी) ने नोटिस दिया है। दरअसल, अग्नि सुरक्षा उपायों को लागू नहीं करके उल्लंघन करने के लिए नोटिस दिया गया है।

यह है आरोप

सामाजिक कार्यकर्ता वेंकटेश ने अग्नि सुरक्षा उपायों में बरती जा रही लापरवाही की शिकायत निगम से की थी। इसी पर बीबीएमपी ने बार को नोटिस जारी किया। इस नोटिस में कहा गया है कि अग्नि सुरक्षा लागू नहीं की गई है। यहां तक कि अग्निशमन विभाग का प्रमाण पत्र प्राप्त नहीं किया है।

विराट कोहली के वन 8 कम्यून की दिल्ली, मुंबई, पुणे और कोलकाता जैसे बड़े शहरों में ब्रांच हैं। बंगलूरू वाला पब पिछले साल दिसंबर में खुला था। यह कस्तूरबा रोड पर रत्नम कॉम्प्लेक्स की छठी मंजिल पर स्थित है, जो एम चिन्नास्वामी स्टेडियम के पास ही स्थित है।

जुलाई में मैनेजर के खिलाफ हुआ था मामला दर्ज

इससे पहले भी यह रेस्तरां चर्चाओं में आ चुका है। जुलाई में वन 8 कम्यून पब के मैनेजर पर पुलिस ने केस दर्ज किया था। आरोप था कि रात एक बजे बंद होने की समयसीमा के बाद भी यह बार खुला हुआ था और ग्राहकों को सर्व कर रहा था। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, रात में गश्त कर रहे सब-इंस्पेक्टर को खबर मिली थी कि वन 8 कम्यून बार देर रात तक चलता रहता है। जब सब-इंस्पेक्टर रात 1:20 बजे पहुंचे, तो उन्होंने पाया कि बार ग्राहकों को सेवा दे रहा है। इसके आधार पर एफआईआर दर्ज की गई। सूत्रों ने बताया कि तय समयसीमा के बाद भी खुले पाए गए तीन दूसरे पबों के खिलाफ भी कार्रवाई की गई है।

न विराट कोहली और न रजत पाटीदार ऑलराउंडर कुणाल पांड्या बनेगा RCB का नया कप्तान !

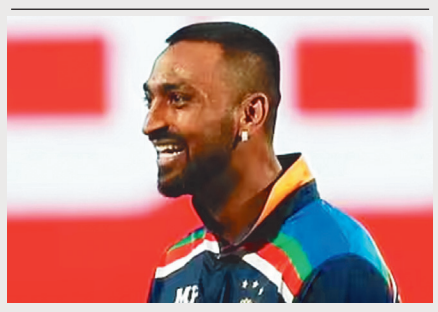

नईदिल्ली, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग के 18वें सीजन यानी आईपीएल 2025 का बिगुल बज चुका है. आगामी सीजन के लिए सभी टीमों ने कमर कस ली है. हालांकि, कुछ ऐसी टीमें भी हैं, जिन्होंने अब तक आईपीएल 2025 के लिए अपने कप्तान का एलान नहीं किया है. इसमें आईपीएल की सबसे चर्चित टीम आरसीबी भी शामिल है. कुछ मीडिया रिपोर्ट में दावा किया गया था कि विराट कोहली आईपीएल 2025 में एक बार फिर कप्तानी संभालेंगे. हालांकि, फिर रिपोर्ट आई कि आरसीबी की कमान रजत पाटीदार को मिलेगी, लेकिन अब कप्तान को लेकर एकदम नया अपडेट सामने आया है.

आरसीबी के कप्तान को लेकर कई तरह के दावे किए जा चुके हैं. कई मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि विराट कोहली एक बार फिर टीम की कमान संभालेंगे. वह आईपीएल 2025 में टीम के कप्तान होंगे, लेकिन इस बारे में न तो फ्रेंचाइजी ने कुछ कहा और न ही विराट कोहली ने. फिर कुछ दिन बाद एक नई रिपोर्ट सामने आई. इस बार दावे किए गए कि युवा बल्लेबाज रजत पाटीदार आईपीएल 2025 में आरसीबी के कप्तान होंगे. रजत पाटीदार सैयद मुश्ताक अली टी20 ट्रॉफी में मध्य प्रदेश के कप्तान थे. उनकी टीम फाइनल में भी पहुंची. ऐसे में उनके कप्तान बनने पर दावा और भी मजबूत हो गया था. आरसीबी के कप्तान को लेकर अब एक नया अपडेट सामने आया है. ताजा रिपोर्ट में कहा जा रहा है कि ऑलराउंडर ऋणाल पांड्या आरसीबी के नए कप्तान होंगे.

शिवम दुबे ने भी दिखाया दम, सूर्या फेल

कर्नाटक ने टॉस जीतकर मुंबई को पहले बैटिंग करने के लिए बुलाया लेकिन ये फैसला उस भारी पड़ गया. हालांकि, मुंबई ने धीमी शुरुआत की थी और चौथे ही ओवर में अपना पहला विकेट गंवा दिया था. लेकिन अंडर-19 एशिया कप में जलवा बिखरने वाले आयुष म्हात्रे और हार्दिक तैमोर ने मिलकर 141 रन की साझेदारी की. आयुष ने 82 गेंद में 78 और हार्दिक ने 94 गेंद में 84 रन बनाकर टीम को संभाला.

वहीं अंत में कप्तान अय्यर के साथ शिवम दुबे ने बाउंड्री की झड़ी लगा दी. दुबे ने महज 36 गेंद में 175 के स्ट्राइक रेट से 63 रन ठोक दिए. हालांकि, सूर्यकुमार यादव बड़ी पारी खेलने में नाकाम रहे. वो 16 गेंद में 20 रन ही बना सके.

सिर्फ 50 गेंदों में शतक, श्रेयस अय्यर ने 10 छक्के जड़कर बरपाया कहर

चैंपियंस ट्रॉफी के लिए ठोका दावा

नईदिल्ली, एजेंसी। श्रेयस अय्यर ने भारत के घरेलू वनडे टूर्नामेंट विजय हजारे ट्रॉफी में बल्ले से कहर बरपा दिया है. मुंबई के लिए कप्तानी करने वाले अय्यर ने कर्नाटक के गेंदबाजों की जमकर कुटाई की.

उन्होंने महज 50 गेंद में शतक ठोक दिया. अय्यर ने 55 गेंदों में 114 रनों की पारी खेली, जिसमें 10 छक्के और 5 चौके जड़े. उनकी इस पारी की बदौलत मुंबई की टीम ने पहली पारी में 382 रनों का विशाल स्कोर खड़ा कर दिया. इसके साथ ही उन्होंने अगले साल पाकिस्तान की मेजबानी में होने वाले चैंपियंस ट्रॉफी के लिए अभी से टीम में दावा ठोक दिया है. शनिवार 21 दिसंबर से विजय हजारे ट्रॉफी की शुरुआत हो गई है. इसके पहले राउंड का मुकाबला चल रहा है, जिसमें 18 मुकाबले खेले जा रहे हैं. ग्रुप सी में मुंबई और कर्नाटक के बीच अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम मुकाबला खेला गया. इस दौरान श्रेयस अय्यर का तूफान देखने को मिला. मुंबई के कप्तान 30वें ओवर में नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आए. तब टीम ने 2 विकेट के नुकसान पर 148 रन बना लिए थे. अब पारी में महज 121 गेंदें बची हुई थीं. फिर अय्यर ने छक्के और चौकों के अंबार लगा दिए. अय्यर ने पहले 31 गेंद में फिफ्टी पूरी की. फिर अगली 19 गेंद में और 50 रन बना दिए. अंतिम 5 गेंदों पर अय्यर ने 14 रन बनाए.

इस तरह उन्होंने सिर्फ 55 गेंद का सामना किया और 207 के स्ट्राइक रेट से 114 रन ठोक दिए. इस दौरान अय्यर ने सिर्फ 13 गेंद डॉट खेली. उनकी पारी में 70 प्रतिशत रन बाउंड्री से आए.

शूटिंगः

सुरुचि का राष्ट्रीय निशानेबाजी चैंपियनशिप में दबदबा

10 मीटर एयर पिस्टल में जीते तीन स्वर्ण

नईदिल्ली, एजेंसी। हरियाणा की युवा निशानेबाज सुरुचि ने शुक्रवार को 67वीं राष्ट्रीय निशानेबाजी चैंपियनशिप में अपना दबदबा कायम किया और देश के प्रसिद्ध निशानेबाजों के बीच 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में तीन स्वर्ण पदक जीते। सुरुचि ने कर्णी सिंह रेंज में सीनियर, जूनियर और यूथ तीनों वर्गों में स्वर्ण पर निशाना साधा। यह वही इवेंट है, जिसमें मनु भाकर ने पेरिस ओलंपिक में पदक जीता था।

ओलंपियन रिदम सांगवान को पीछे छोड़ा

झज्जर की सुरुचि क्वालिफाइंग दौर में 585 का स्कोर कर शीर्ष पर रहकर फाइनल में पहुंचीं। उन्होंने सीनियर वर्ग में 243.1 का स्कोर ओलंपियन रिदम सांगवान को परास्त किया और राष्ट्रीय चैंपियनशिप के सीनियर वर्ग में अपना पहला खिताब जीता।। महाराष्ट्र की कृष्नाली राजपूत तीसरे स्थान पर रहीं। जूनियर वर्ग के फाइनल में जूनियर विश्व चैंपियन संयम ने उन्हें कड़ी टक्कर दी। यहां उन्होंने 245.1 के स्कोर के साथ स्वर्ण और संयम ने रजत जीता।

सुरुचि ने इसे जीवन का यादगार पल बताया

यूथ के फाइनल में उन्हें यूपी की संस्कृति बाना और हांगझोऊ एशियाई खेलों की स्वर्ण पदक विजेता पलक से कड़ी टक्कर मिली।

यहां, संस्कृति को रजत और पलक को कांस्य मिला। पांच वर्ष पहले शूटिंग शुरू करने वाली सुरुचि ने कहा, यह उनके जीवन का सबसे यादगार पल है। उन्होंने पहली बार राष्ट्रीय चैंपियनशिप का स्वर्ण जीता, लेकिन तीन स्वर्ण ने इसे और खास बना दिया।

मनु भाकर से है नाता

सुरुचि ने पांच साल पहले झज्जर के उसी रेंज पर अपने करियर की शुरुआत की जहां पेरिस ओलंपिक में दो कांस्य पदक जीतने वाली मनु भाकर ने अपने शुरुआती दिनों में निशानेबाजी सीखी थी। इस स्पर्धा में कई अनुभवी निशानेबाज भाग ले रहे थे जिनमें ओलंपियन रिदम सांगवान, एशियाई खेलों की मौजूदा चैंपियन पलक, अंतरराष्ट्रीय निशानेबाज दिव्या टीएस और जूनियर विश्व चैंपियन सान्याम शामिल थीं। सुरुचि ने फाइनल में शुरू से लेकर आखिर तक अपना दबदबा बनाए रखा।

लाखों की धोखाधड़ी मामले में आया क्रिकेटर रॉबिन उथप्पा का नाम, जारी हुआ अरेस्ट वारंट

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय टीम के पूर्व क्रिकेटर रॉबिन उथप्पा एक बड़ी मुश्किल में फंसते हुए नजर आ रहे हैं। रॉबिन उथप्पा के खिलाफ लाखों के धोखाधड़ी मामले में अरेस्ट वारंट जारी किया गया है। टीम इंडिया के इस पूर्व क्रिकेटर पर प्रोविडेंट फंड में घोटाले का आरोप लगा है। ईपीएफओ के आयुक्त सदाक्षरी गोपाल रेड्डी द्वारा जारी किए गए वारेंट के आधार पर पुलकेशीनगर पुलिस को तत्काल कार्रवाई का निर्देश दिया गया है।

दरअसल उथप्पा पर यह आरोप उन्ही के कंपनी के कर्मचारियों ने लगाया है। दरअसल रॉबिन उथप्पा सेंचुरीज लाइफस्टाइल ब्रांड प्राइवेट लिमिटेड कंपनी में हिस्सेदार हैं और मैनेजमेंट का उनके जिम्मे हैं। कंपनी के कर्मचारियों ने आरोप लगाया है कि हर महीने कंपनी की तरफ से पीएफ के पैसे काटे गए ये ईपीएफओ अकाउंट में वह जमा ही नहीं किए हैं। यह पूरी रकम 23 लाख बताई जा रही है।

साउथ अफ्रीका के स्टार खिलाड़ी को आईसीसी ने सुनाई सजा

नईदिल्ली, एजेंसी। साउथ अफ्रीका और पाकिस्तान के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज खेली जा रही है। इस सीरीज के पहले दो मुकाबलों को पाकिस्तान की टीम ने अपने नाम कर लिया है। वहीं इस सीरीज में 2-0 से पीछे चल रही साउथ अफ्रीका की टीम को एक और तगड़ा झटका लगा है। दरअसल साउथ अफ्रीका के एक खिलाड़ी को आईसीसी की तरफ से फटकार लगाई गई है। यह खिलाड़ी कोई और नहीं बल्कि हेनरिक क्लासेन हैं। हेनरिक क्लासेन पर गुरुवार को पाकिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की सीरीज के दूसरे वनडे के दौरान आईसीसी आचार संहिता के उल्लंघन के लिए जुर्माना लगाया गया है।

क्लासेन पर लेवल 1 के उल्लंघन के लिए मैच फीस का 15 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है।

चेसः ## ग्रैंडमास्टर अर्जुन एरिगेसी ने अमेरिका से लगाई गुहार, विश्व रैपिड चैंपियनशिप के लिए वीजा देने की मांग

नईदिल्ली, एजेंसी। विश्व नंबर चार अर्जुन ने विदेश मंत्री एस जयशंकर, केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया और अखिल भारतीय शतरंज महासंघ (एआईसीएफ) से भी उन्हें वीजा जारी कराने के लिए मदद की गुहार लगाई है। भारतीय ग्रैंडमास्टर अर्जुन एरिगेसी को विश्व रैपिड और ब्लिट्ज शतरंज चैंपियनशिप के लिए अमेरिका ने अब तक वीजा जारी नहीं किया है और उन्होंने इसके लिए अमेरिका से गुहार लगाई है। यह चैंपियनशिप 26 से 31 दिसंबर तक न्यूयॉर्क में होने जा रही है। चैंपियनशिप में एक सप्ताह से भी कम समय बाकी होने के कारण अर्जुन ने अमेरिकी दूतावास गुहार लगाई है कि उन्हें जल्द से जल्द वीजा जारी किया जाए, जिससे वह इस चैंपियनशिप में खेल सकें। विश्व नंबर चार अर्जुन ने विदेश मंत्री एस जयशंकर, केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया और अखिल भारतीय शतरंज महासंघ (एआईसीएफ) से भी उन्हें वीजा जारी कराने के लिए मदद की गुहार लगाई है।

भारतीय बैडमिंटन के लिए

निराशाजनक रहा यह साल

- पेरिस ओलंपिक से खाली हाथ लौटे थे खिलाड़ी

नईदिल्ली, एजेंसी। क्रिकेट टीम के लिए साल 2024 जहां अच्छा रहा, वहीं भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ियों को निराशा मिली। पेरिस ओलंपिक में बैडमिंटन में भारत का प्रदर्शन निराशाजनक रहा था और इस स्पर्धा में खिलाड़ी एक भी पदक हासिल नहीं कर सके थे। यहां तक कि 2016 रियो ओलंपिक और टोक्यो 2020 में पदक जीतने वाली महिला एकल खिलाड़ी पीवी सिंधू भी पदक नहीं जीत सकी थीं, जबकि पुरुष एकल में लक्ष्य सेन कांस्य पदक हासिल करने से चूक गए थे।

सात्विक-चिराग ने छोड़ी अमिट छाप

सात्विकसाईराज रेंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की शानदार जोड़ी ने हालांकि भारतीय बैडमिंटन में एक अमिट छाप छोड़ी, लेकिन यह भारतीय जोड़ी भी पेरिस ओलंपिक से खाली हाथ लौटी। सात्विक और चिराग के लिए अच्छा और बुरा दोनों समय रहे क्योंकि यह जोड़ी चार फाइनल में पहुंची और दो खिताब जीते जिससे ऐतिहासिक ओलंपिक पदक की उम्मीद जगी। लेकिन पेरिस ओलंपिक में क्वार्टर फाइनल से बाहर होने के साथ उनका अभियान निराशा में समाप्त हो गया था। एशियाई खेलों के चैंपियन ने फ्रेंच ओपन सुपर 750 और थाईलैंड सुपर 500 में खिताब जीतकर दुनिया की शीर्ष जोड़ियों में अपना दर्जा मजबूत किया। यह जोड़ी मलेशिया सुपर 1000 और इंडिया सुपर 750 में उपविजेता रही, लेकिन आठ साल में दूसरी दफा ओलंपिक जीतने का सपना पूरा नहीं हो पाया।

सिंधू ने सैयद मोदी खिताब जीतकर सूखा समाप्त किया

भारत की दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू के लिए साल निराशाजनक रहा। उन्होंने अपने कोचिंग स्टाफ में कई बदलाव किए और महान बैडमिंटन खिलाड़ी प्रकाश पादुकोण के मार्गदर्शन में ट्रेनिंग के लिए बंगलूरू चली गईं। लेकिन उनका टूर्नामेंट के शुरूआत में बाहर होना जारी रहा जिससे उनकी फॉर्म और फिटनेस से संघर्ष उजागर हुआ। वह मलेशिया मास्टर्स के फाइनल में पहुंची लेकिन तीसरा ओलंपिक पदक जीतने का सपना प्री क्वार्टर फाइनल में मिली हार से खत्म हो गया। हालांकि इस 29 साल की खिलाड़ी ने अपना सत्र सैयद मोदी इंटरनेशनल खिताब जीतकर समाप्त किया और वह इस महीने के अंत में परिणय सूत्र में बंधने के लिए तैयार हैं।

ओलंपिक पदक से चूके थे लक्ष्य

लक्ष्य सेन के लिए यह बहुत करीब और फिर भी दूर का मामला रहा।

रविचंद्रन अश्विन ने तोड़ा खुद से किया 12 साल पुराना वादा, इसलिए ले लिया संन्यास!

नईदिल्ली, एजेंसी। 18 दिसंबर 2024 का दिन भारतीय क्रिकेट फैंस के लिए जितनी राहत लेकर आया, उससे बड़ा दर्द दे गया. एक तरफ टीम इंडिया ने ब्रिसबेन टेस्ट में हार टालते हुए ड्रॉ हासिल किया. इसने टीम के साथ ही फैंस को सुकून तो दिया लेकिन इसके बाद तुरंत ही रविचंद्रन अश्विन ने संन्यास का ऐलान कर पूरे देश को चौंका दिया.

भारत के महानतम स्पिनर्स और ऑलराउंडर्स में से एक अश्विन ने सीरीज के बीच में ही ये हैरान करने वाला फैसला लिया. इसके बाद से हर कोई यही जानना चाहता है कि आखिर अश्विन ने ऐसा क्यों किया? शायद इसकी असली वजह उनका खुद से किया वो वादा था, जिसे वो बरकरार रखने में सफल नहीं हो पाए.

अश्विन के संन्यास के ऐलान के बाद से ही कई तरह की अटकलें लगाई जा रही हैं और कई रिपोर्ट्स में अलग-अलग दावे किए जा रहे हैं. एक तरफ अश्विन के पिता ने कहा कि उनके बेटे का बार-बार अपमान हो रहा था, वहीं एक रिपोर्ट में ये भी दावा किया गया कि अश्विन ने कोच और कप्तान से पहले ही बोल दिया था कि अगर प्लेइंग इलेवन में उनके लिए जगह नहीं बनती तो वो बैठे रहना नहीं चाहेंगे. कप्तान रोहित शर्मा ने तो प्रेस कॉन्फ्रेंस में ये कह दिया कि वो पर्थ टेस्ट के बाद ही संन्यास लेना चाहते थे लेकिन उन्होंने अश्विन को एडिलेड टेस्ट के लिए मनाया था. अब सच्चाई क्या है, ये तो अश्विन ही बेहतर जानते हैं और शायद यही सच अब उनकी जुबान से भी बाहर आ गया. अश्विन ने 12 साल पहले खुद से एक वादा किया था, जो इस साल टूट गया और शायद यही उनके संन्यास की वजह रही. ये वादा था भारत में फिर कोई सीरीज नहीं हारना. बीसीसीआई की ओर से अश्विन के लिए पोस्ट किए गए एक खास वीडियो में खुद अश्विन ने ये बात कही.

इस वीडियो की शुरुआत में ही अश्विन ने बताया कि 2012 में इंग्लैंड के खिलाफ घर में ही एक मुश्किल सीरीज में टीम इंडिया को हार मिली थी. अश्विन ने कहा, ÷वो मेरे करियर की शुरुआत थी और मैं खुद से कह रहा था कि अब हम फिर कभी घर में नहीं हारेंगे. मैंने खुद से ये वादा किया था.

अश्विन की आंखों के सामने टूटा ये वादा

वीडियो में इसके आगे तो अश्विन ने इस बारे में कुछ नहीं कहा लेकिन पिछले महीने ही जो हुआ, वो सच पूरी दुनिया जानती है. अश्विन खुद से किया वो वादा पूरा नहीं कर पाए. कुछ ही हफ्तों पहले टीम इंडिया को अपनी जमीन पर न्यूजीलैंड के हाथों टेस्ट सीरीज में हार मिली थी. ये सिर्फ हार नहीं थी, बल्कि 0-3 से सूपड़ा साफ होने जैसी फजीहत मिली थी. इंग्लैंड के खिलाफ 2012 की सीरीज के बाद भारत की घर में ये पहली टेस्ट सीरीज हार थी और अश्विन इसका हिस्सा थे, जहां वो एकदम बेअसर साबित हुए थे. शायद इसी हार का दर्द उनके दिल में गहराई तक बैठ गया था और फिर उन्होंने ये फैसला लिया. टीम इंडिया के लिए 106 टेस्ट मैच खेलकर अपने इंटरनेशनल करियर को विराम देने वाले दिग्गज ऑफ स्पिनर अश्विन को भारत-ऑस्ट्रेलिया के बीच चल रही बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में सिर्फ एक मैच में मौका मिला था. एडिलेड में खेले गए डे-नाइट टेस्ट में अश्विन मैदान पर उतरे थे लेकिन इसके बाद ब्रिसबेन में उनकी जगह रवींद्र जडेजा को चुना गया था, जबकि सीरीज के पहले मैच में वॉशिंगटन सुंदर को तरजीह मिली थी.